

अनंत चुनावी विभात

लाहौल-स्पीति में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना प्राथमिकता: रवि ठाकुर

हिमाचल प्रदेश में पहली जून को लोकसभा चुनाव व विधानसभा की छह सीटों पर उपचुनाव होने हैं। प्रदेश में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है। दोनों पार्टियों ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। लाहौल-स्पीति से भाजपा ने रवि ठाकुर को मैदान में उतारा है। रवि ठाकुर पहले यहीं से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। अब उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली है और भाजपा की टिकट पर एक बार फिर चुनावी मैदान में उतरे हैं। उपचुनाव को लेकर पार्टी और उनकी क्या रणनीति है और किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं, इसे लेकर 'अनंत ज्ञान' की कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति की ब्यूरो प्रमुख कमलेश वर्मा ने उनसे विशेष बातचीत की...

सवाल : उपचुनाव में आप किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं और आपकी प्राथमिकताएं क्या हैं?

जवाब : देखिए मैं पहले भी विधायक रह चुका हूँ। मैंने यहां हर क्षेत्र का दौरा किया है और लोगों की समस्याओं को जाना है। जनजातीय क्षेत्र होने के चलते यहां बहुत सारी समस्याएं हैं। खासकर पानी की बहुत बड़ी समस्या है। इसके लिए हमने एक खास योजना बनाई है, जिसके तहत हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाना और किसानों एवं बागवानों को सिंचाई की सुविधा मुहैया करवाना प्राथमिकताओं में शामिल है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। ऐसे में पर्यटन स्थलों को किस तरह से विकसित किया जा सकता है, इसको लेकर काम किया जाएगा। यहां काफी मंदिर और बौद्ध मठ हैं, इसलिए यहां धार्मिक पर्यटन को विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। यहां एक धार्मिक सर्किट बनाने पर काम किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कैलांग, काजा और उदयपुर में सीवरेज प्लांट लगाए जाएंगे। साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे। वाटर स्पोर्ट्स के आयोजन को प्राथमिकता दी जाएगी। वाटर स्पोर्ट्स में क्या-क्या शामिल किया जा सकता है, इसके लिए विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी।

सवाल : स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए आपके पास क्या योजना है?
जवाब : स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके, उसके लिए टैक्सरी परमिट और होमस्टे को बढ़ावा दिया जाएगा। लोकल फॉर वोकल पर जोर दिया जाएगा, ताकि यहां के हस्तशिल्प उत्पादों जैसे कार्पेट, शॉल, जुराबें और ऊन से बनेने वाले वस्त्रों को प्रमोट किया जा सके। लोगों को विभिन्न माध्यमों से स्वरोजगार देने के लिए प्रयास किए जाएंगे। यहां के स्थानीय व्यंजनों को प्रमोट किया जाएगा। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए स्थानीय पशु-पक्षियों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएंगी। लोगों को घर-द्वार रोजगार देने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

सवाल : आपने पिछली बार कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था और इस बार भाजपा की टिकट पर लड़ रहे हैं? इसको लेकर लोगों की कैसी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है?

जवाब : देखिए, मैंने कांग्रेस को छोड़ा यह कहना सही नहीं है। जब राज्यसभा चुनाव हुए तो हमने भाजपा उम्मीदवार को इसलिए वोट दिया, क्योंकि वह लोकल थे। कांग्रेस ने जिसे अपना प्रत्याशी बनाया था, उन्होंने तो भगवान राम को काल्पनिक बताकर राम मंदिर निर्माण का विरोध किया था। हिमाचल सरकार को वाटर सेस के रूप में पंजाब से 2 हजार करोड़ रुपए मिलने थे, उन्होंने उसमें भी अड़ेंगे लगाए। कोर्ट में हिमाचल सरकार के खिलाफ केस लड़ा था, तो आप ही बताएं कि एक ऐसा प्रत्याशी, जो न तो हिमाचल का था और हमेशा ही हिमाचल के अहित की बात करता था, उसे हम कैसे वोट दे सकते थे। दूसरी बात किसी भी विकास कार्य के लिए बजट की जरूरत होती है। कांग्रेस सरकार व्यवस्था परिवर्तन का नारा लेकर सत्ता में आई थी, लेकिन सरकार ने ऐसा व्यवस्था परिवर्तन किया कि विकास के कार्य ठप पड़ गए। पार्टी विकास ही नहीं करवाएगी, तो फिर उसमें बने रहने का क्या फायदा, इसलिए हमने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली। अब लोगों को तय करना है कि वे विकास के साथ चलेंगे या फिर विकास के खिलाफ चलने वालों के साथ। लोगों को पता है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने वाली है। भाजपा केंद्र में भी जीत हासिल करेगी और हिमाचल की भी छह विधानसभा सीटों को जीतेगी।



अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

बेईमानों का कभी साथ नहीं देती देवभूमि की जनता: सुक्खू कहा- राजनीतिक मंडी में बिकने वालों को सिखाएगी सबक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने कहा कि देवभूमि हिमाचल की जनता बेईमानों का कभी साथ नहीं देती है। हिमाचल देवी-देवताओं की भूमि है, यहां के लोग ईमानदार हैं। वर्तमान चुनाव यह तय करेगा कि ईमानदारी जीतनी और बेईमानी हारनी चाहिए।

कांग्रेस के छह पूर्व व तीन आजाद विधायकों ने खुद को भाजपा की राजनीतिक मंडी में बेचा है, इसलिए उन्हें जनता सबक सिखाएगी। यह चुनाव मुख्यमंत्री की कुर्सी या सरकार बचाने का नहीं, लोकतंत्र को बचाने का है। जनता का वोट एक

सुल्तानपुरी के पक्ष में मांगे वोट
नेता प्रतिपक्ष जयराज ठाकुर सत्ता के भूखे होने के साथ ही कर्मचारियों और महिलाओं के विरोधी भी हैं। कर्मचारियों के ओपीएस मांगने पर लाटियां बरसाईं व वाटर केनन चलवाईं। कर्मचारियों को चुनाव लड़ने के लिए कहा और जब कांग्रेस सरकार ने ओल्ड पेंशन दे दी तो सरकार व कर्मचारियों के एनपीएस अंशदान के 9000 करोड़ रुपए रूकवाने के लिए दिश्री पहुंच गए। केंद्र सरकार ने ओपीएस देने पर हिमाचल सरकार को कर्ज सीमा में कटौती कर दी और एनपीएस अंशदान की राशि भी नहीं दे रहे। अब सरकार ने आचार संहिता लागू होने से पहले 18 साल से ऊपर की बेटियों व महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन प्रति माह देने की योजना लागू की तो जयराज ठाकुर उसे रूकवाने चुनाव आयोग के पास पहुंच गए।

बोलें- जयराज सत्ता के हैं भूखे, कर्मचारियों के विरोधी

जनता से किया खिलवाड़
यह साधारण चुनाव नहीं है। इस चुनाव से भविष्य की राजनीति की दशा और दिशा तय होगी। हिमाचल से एक जून को धनबल की राजनीति करने वालों के खिलाफ पूरे देश में संदेश जाना चाहिए। नोटवंत्र के आगे जनबल जीतना चाहिए। प्रदेश पूरे देश को लोकतंत्र बचाने के लिए दिशा दिखा सकता है तो 1 जून का समय बिल्कुल सही है। जनता के वोट से चुनकर आए विधायकों को दिश्री में बड़े सरकार नोट के दम पर खरीद ले, तो वोट का क्या मूल्य है। चुने हुए विधायकों को खरीदना जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। यह चुनाव सत्य व असत्य के बीच है। सरकारें आली-जाती रहेंगी, इस बार नोट से वोट खरीदने वालों को सबक सिखाना है।

हिमाचल में आएगी भाजपा की सरकार

अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल में भाजपा की सरकार बनने का आशंका है। कांग्रेस के अंधेरे में भाजपा का उम्मीदवार जीता, हमने कहा कि ऐसे होगा। यहां भी ऐसी ही स्थिति है। पिछले एक दशक से मजबूत सरकार भारत में बनी है। एक बार फिर से और मजबूती देने की आवश्यकता है। इसके लिए जनता का आशीर्वाद चाहिए और अनुराग ठाकुर को पांचवें बार सांसद बनाइए। गांधी चौक पर कई बार आना हुआ, लेकिन इस तरह की मुलाकात पहली बार हो रही है। जहां पैर रखने के लिए जगह नहीं, रास्ते में आगे बढ़ना है, लेकिन आदमी ही आदमी इस तरह का खेह और प्यार हमारी पार्टी के प्रत्याशी

प्रदेश में उपचुनावों से हिली कांग्रेस: जयराज कहा- अनुराग ठाकुर की होगी ऐतिहासिक जीत

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पूर्व मुख्यमंत्री जयराज ठाकुर ने कहा कि लोकसभा की चारों सीटों पर भाजपा जीतेगी, लेकिन विधानसभा की छह सीटों पर उपचुनाव भी हैं और 15 महीने की कांग्रेस सरकार को हिलाकर रख देंगे। प्रदेश में भाजपा सरकार बनेगी। कुछ प्रश्न पैदा कर रहे हैं कि कैसे होगा। हम कहना चाहते हैं कि जब राज्यसभा का चुनाव होने जा रहा था तो यही प्रश्न पूछ रहे थे। परिणाम निकला और राज्यसभा में भाजपा का उम्मीदवार जीता, हमने कहा कि ऐसे होगा। यहां भी ऐसी ही स्थिति है। पिछले एक दशक से मजबूत सरकार भारत में बनी है। एक बार फिर से और मजबूती देने की आवश्यकता है। इसके लिए जनता का आशीर्वाद चाहिए और अनुराग ठाकुर को पांचवें बार सांसद बनाइए। गांधी चौक पर कई बार आना हुआ, लेकिन इस तरह की मुलाकात पहली बार हो रही है। जहां पैर रखने के लिए जगह नहीं, रास्ते में आगे बढ़ना है, लेकिन आदमी ही आदमी इस तरह का खेह और प्यार हमारी पार्टी के प्रत्याशी

सभी रिकॉर्ड टूटने वाले हैं

जयराज ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने का आशंका है। कांग्रेस के अंधेरे में भाजपा का उम्मीदवार जीता, हमने कहा कि ऐसे होगा। यहां भी ऐसी ही स्थिति है। पिछले एक दशक से मजबूत सरकार भारत में बनी है। एक बार फिर से और मजबूती देने की आवश्यकता है। इसके लिए जनता का आशीर्वाद चाहिए और अनुराग ठाकुर को पांचवें बार सांसद बनाइए। गांधी चौक पर कई बार आना हुआ, लेकिन इस तरह की मुलाकात पहली बार हो रही है। जहां पैर रखने के लिए जगह नहीं, रास्ते में आगे बढ़ना है, लेकिन आदमी ही आदमी इस तरह का खेह और प्यार हमारी पार्टी के प्रत्याशी

कैसा हो हमारा प्रतिनिधि...

देश नाजुक दौर में गुजर रहा है, मिलावटी खाद्य पदार्थों से 60 प्रतिशत बीमारियां हो रही हैं। मंडी संसदीय क्षेत्र देश का दूसरा सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है, ऐसे में मंडी सांसद मिलावट के खिलाफ एक आंदोलन खड़ा करें। अन्यथा ऐसा सांसद चुनने में हमें कोई रुचि नहीं है, जो खाद्य वस्तुओं में हो रही मिलावट के बारे में एक शब्द न बोलें।
डॉक्टर चेतन उपाध्याय, मंडी।

देश में गरीब और आम आदमी के लिए जिस संगठन ने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया वह देश का सच्चा हितैषी है। देश भर में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से लोग दुखी हैं। युवाओं के आधार पर ही विधानसभा और लोकसभा में वोट किया जाएगा।
राजकुमार, कुतलैहड़।

भ्रष्टाचार को लेकर आरोप-प्रत्यारोप तो बहुत लगाए जाते हैं, लेकिन जनता के पैसे से पगार और भ्रमे लेने वाले सांसद अपनी नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। देश में खाद्य पदार्थों की एक भी कंपनी ऐसी नहीं दिखती जो मानकों पर खतर उतरती हो। सांसद मौन रहे या सांसद में ऐसे मुद्दे न उठाए, तो ऐसा सांसद युवा पीढ़ी को नहीं चाहिए।
अशोक ठाकुर, बडसर।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सुगम ऋण व्यवस्था होनी चाहिए। सरकारें रोजगार उपलब्ध करवाने का दावा करती हैं, लेकिन ऋण लेने के लिए युवाओं को भटकना पड़ता है। चुनाव में समर्थन भी उसको दिया जाएगा, जो युवाओं के हित पर बात करेगा।
मनीष, कुतलैहड़।

युवाओं को खेलने के अभी तक सही मैदान नहीं हैं। ऐसे में क्षेत्र काफी पिछड़ रहा है। युवा अब तो खेल की बजाय मोबाइल में ही ध्यान दे रहे हैं। अगर मैदान होंगे, तभी तो युवा मैदानों तक पहुंच पाएंगे। क्षेत्र की हर पंचायत में मैदानों का प्रबंध होना चाहिए।
अशोक ठाकुर, बडसर।

हमारे संसदीय क्षेत्र में बीते 10 साल में काफी विकास हुआ है। बात चाहे स्वास्थ्य सुविधाओं की हो या बेहतर शिक्षा की। लोग भाजपा के साथ हैं और मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए अनुराग ठाकुर को भारी मर्तो से जितारेंगे।
अभय सिंह राणा, संसदीय क्षेत्र हमीरपुर

युवा बेरोजगारों में एक असुरक्षा की भावना आ चुकी है। रोजगार न मिलने से कई युवा मजदूरी कर रहे हैं। युवाओं के प्रति ईमानदार सोच रखने वाले प्रत्याशी को वोट दिया जाएगा। युवाओं को भी चुनाव के समय पूरे विवेक का उपयोग करना चाहिए।
दिशू, संसदीय क्षेत्र हमीरपुर

लोगों से दूरी बनाने वाले सांसद को आईना दिखाएगी जनता: रोहित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला संसदीय सीट पर कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए कैबिनेट मंत्री व संसदीय चुनाव प्रभारी रोहित ठाकुर और शिमला शहरी विधायक हरिश जनाथ ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा है। शिमला स्थित पार्टी मुख्यालय में शनिवार को बैठक के दौरान चुनाव कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार में तेजी लाने और नई रणनीति के साथ काम करने के सलाह दी है। दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं से फीडबैक भी लिया और चुनाव प्रचार को और अधिक प्रभावी ढंग से करने की रणनीति बनाई। रोहित ने कहा कि 15 साल से शिमला संसदीय सीट पर भाजपा का कब्जा है, लेकिन यह सांसद 15 साल में जनता के बीच दिखाई नहीं दिया। अब जनता इन्हें आईना दिखाकर सत्ता से बेदखल करेगी। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में बेहतर ढंग से कार्य कर रही है। मात्र 15 माह के अल्पकाल में ही सीएम सुक्खू ने प्रदेश को प्रगति के शिखर पर ले गए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम सुक्खू ने विधानसभा के दौरान जनता से किए गए वादों को गारंटियों के रूप में पूरा किया है।



स्वीप टीम ने शनिवार को सुराहा में बच्चों और लोगों को मतदान का महत्व बताया।



चंबा। कोलाक स्कूल के विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया।

राजनीति नेता बैठकों और मीडिया में बयान जारी कर चुनावी माहौल बनाने की कर रहे कोशिश भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों को स्टार प्रचारकों का इंतजार

आर मोहन चौहान, सोलन

शिमला संसदीय आरक्षित सीट के भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों को अभी स्टार प्रचारकों का इंतजार है। भाजपा **भाजपा नेता** और कांग्रेस के नेता **शिमला में आज बैठकों और मीडिया में महेंगे हुंकार** बयान जारी कर चुनावी माहौल बनाने की कोशिश में हैं। लिहाजा नामांकन के बहाने भाजपा और कांग्रेस शक्ति प्रदर्शन करना चाहते हैं। भाजपा 12 मई को शिमला के चौड़ा मैदान में नामांकन के एक दिन पहले शक्ति प्रदर्शन करेगी। इसके लिए सोलन, सिरमौर सहित शिमला जिले के जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं की संख्या बल और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की शिमला पहुंचाने का टारगेट दिया गया है। भाजपा

कांग्रेस कल रोड शो से करेगी शक्ति प्रदर्शन
कांग्रेस के प्रत्याशी 13 मई को नामांकन के बाद चौड़ा मैदान में रोड शो के दौरान शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर चुके हैं। इसमें मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू के अलावा बड़े नेता शामिल रहेंगे। बता दें कि कांग्रेस ने युवा चेहरे के रूप में विनोद सुल्तानपुरी को बना शिमला संसदीय सीट का मुकाबला टक्कर का उना दिया है। हालांकि, शुरुआत में कांग्रेस को मिला सीट पर दमदार प्रत्याशी नहीं मिल पा रहा था, लेकिन 6 बार अजेय सांसद रहे केडी सुल्तानपुरी का नाम सामने आते ही पार्टी का ध्यान सुल्तानपुरी परिवार पर केंद्रित हो गया। कांग्रेस इस बात से भलीभांति परिचित है कि सुल्तानपुरी को भाग्य हमेशा लोकसभा पहुंचाता रहा है। पार्टी को 'सुल्तानपुरी' के भाग्य पर भी उम्मीद है।

अब तक शिमला में सोलन ही रहा 'सिरमौर'
शिमला सीट का इतिहास देखें तो यहां अब तक सोलन ही सिरमौर (शोष) रहा है। सोलन जिले के 3 सांसदों ने 38 साल तक लोकसभा में क्षेत्र को लौंडा किया, जबकि दूसरे स्थान पर जिला सिरमौर रहा। सिरमौर के 2 नेता 3 बार सांसद बने। उन्होंने 15 साल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। शिमला जिले को महज अर्द्ध साल तक प्रतिनिधि का मौका मिला। इस सीट पर सोलन के दिवंगत कृष्णदास सुल्तानपुरी की शाक रहें। वे लगातार 18 साल बिना हारे सांसद रहे।

कांग्रेस डूबता जहाज, जिस पर नहीं बैठना चाहता कोई: भुट्टो कहा- मुख्यमंत्री सुक्खू को सोते-जागते दिखाई देते हैं 15 करोड़

अनंत ज्ञान, बंगाला

कुतलैहड़ की जनता ने जब मुझे 15 माह पूर्व विधायक बनाकर शिमला भेजा तो मुझे भी सरकार से बड़ी उम्मीद थी कि अब हम कुतलैहड़ की जनता की समस्याओं को खत्म करेंगे। सीएम साहब ने केवल मित्रों की सुनी और हमने जो कुतलैहड़ की जनता के कार्य बताए, उन्हें अनुमति नहीं मिली। यह बात कुतलैहड़ से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र कुमार भुट्टो ने शनिवार को कार्यकर्ताओं के साथ हमीरपुर रवाना होने से पहले

पत्रकारों से बातचीत में कही। सीएम सुक्खू के 15 करोड़ के खरीद-फरोखत वाले बयान पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अब सोते-जागते 15 करोड़ के स्टूटकेस ही दिखाई देते हैं। उन्हें शापद ज्ञान नहीं कि 15 करोड़ हम सालाना टैक्स सरकार को देते आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी एक डूबता जहाज है, जिस पर कोई बैठना नहीं चाहता है। लोकसभा और उपचुनावों में कांग्रेस मुंह के बल गिरेगी। इस मौके पर कुतलैहड़ भाजपा चुनाव प्रभारी संजीव कटवाल आदि मौजूद रहे।



बच्चों को फर्श से अर्श तक पहुंचाने में 30 साल से जुटी हैं सुदर्शना ठाकुर, मनाली के खखनाल में चला रहीं 'राधा एनजीओ'

बेसहारा व अनाथ बच्चों का सहारा 'राधा मां'

10 बेसहारा बच्चों को बांट रही मां की ममता, साथ एक बुजुर्ग महिला को भी दे रही सहारा
7 गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा का भी उठा रही हैं खर्चा

कुल्लू जिले की पर्यटन नगरी मनाली में एक ऐसी मां हैं, जो बेसहारा व अनाथ बच्चों का सहारा बनी हुई हैं। वह ऐसे बच्चों को फर्श से अर्श तक पहुंचाने में दिन-रात जुटी हैं। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति से संबंध रखने वाली और वर्तमान में मनाली के खखनाल में रहने वाली सुदर्शना ठाकुर, जिन्हें 'राधा मां' के नाम से जाना जाता है, ने अपना पूरा जीवन बेसहारा, अनाथ, जरूरतमंद व गरीब बच्चों और परिवारों की सेवा में लगा दिया। करीब 30 साल पहले सुदर्शना ने जब 'राधा' एनजीओ का गठन किया तो अनाथ व जरूरतमंद महिलाओं को सहारा देना प्राथमिकता में रखा। वर्तमान में राधा मां के पास 10 अनाथ बच्चों के अलावा एक

बेसहारा महिला है। वहीं, सात अन्य गरीब परिवार के बच्चों के कॉलेज व स्कूल का खर्चा भी राधा एनजीओ ही उठा रहा है। एनजीओ के परिवार के सभी सदस्य खखनाल में किराये पर कमरे लेकर रह रहे हैं। पढ़ाई के साथ इन बच्चों को अन्य विभिन्न कार्यों में भी दक्ष बनाया जा रहा है। राधा एनजीओ की संस्थापक सुदर्शना इन गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं। इन बच्चों को सुदर्शना न केवल मां बनकर पाल रही हैं, बल्कि उन्हें पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा होने के काबिल भी बना रही हैं। इस नेक काम में प्रशासन और सरकार से कोई मदद नहीं मिल रही है। वह अपनी मेहनत के दम पर बच्चों का पालन-पोषण कर रही

हैं। राधा एनजीओ में ये सभी लोग सुदर्शना के साथ एक परिवार की तरह रहते हैं। सुदर्शना बच्चों को पढ़ाने के साथ उन्हें शौक के आधार पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी दे रही हैं। बच्चों की शिक्षा के साथ अन्य कार्यों में भी सक्षम बनाया जा रहा है। यहां पर इन बच्चों को आचार व जुराब, स्वेटर सहित अन्य कार्य सिखाने के अलावा लकड़ी की नक्काशी के गुरु सिखाए जाते हैं। अब ये बच्चे लकड़ी के मंदिर व अन्य कलाकृतियां बनाना सीख गए हैं और इन्हें बेचकर अपनी आर्थिक को सुदृढ़ करने के साथ आत्मनिर्भर बन रहे हैं। समय-समय पर राधा एनजीओ का यह परिवार देश व प्रदेशभर में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी व मेलों में भाग लेकर

अपने उत्पादों को बिक्री करता है। पौधरोपण के अलावा स्वच्छता व अन्य अभियान चलाकर लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। शिक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ सक्षम भारत सुदर्शना की परिकल्पना है। यहां पर बच्चों को कम साधन में खुश रहना सिखाया जाता है। 30 साल पहले जब बेसहारा बच्चे सड़क पर ठोकें खाते देखे तो सुदर्शना का मन नहीं माना और महिलाओं के उत्थान के साथ बच्चों को हमदर्द बनी। मां-बाप के प्यार से वंचित रही एक बच्ची ने कल्याण आश्रम में होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में बताया तो उन्हें लगा उनका जीवन ऐसे ही बच्चों के लिए है। उसके बाद इसी कार्य को सब कुछ मानकर काम में जुट गईं।

कमलेश वर्मा, कुल्लू



समाजसेवा के लिए समर्पित

सुदर्शना बेसहारा बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के साथ भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के गुर भी सिखा रही हैं। हालांकि अब उनके पास मात्र 10 बच्चे ही हैं, लेकिन उनके आंचल से प्यार पाकर कॉलेज व स्कूलों में पढ़ाई कर रहे इन बच्चों के लिए सब कुछ राधा मां ही हैं। उन्होंने हर बच्चे में अपनापन तलाशा व उसे मां का प्यार दिया। बच्चे अपने

हों या पराए उन्हें बस प्यार चाहिए। अपने बच्चों को तो जानवर भी प्यार करते हैं हम तो इंसान हैं। मातृ दिवस पर यह जरूर कहना चाहती हूं कि धरती पर मौजूद हर इंसान का अस्तित्व मां के कारण ही है। मां के जन्म देने पर ही मनुष्य धरती पर आता है और मां के स्नेह, दुलार और संस्कारों में मानवता का गुण सीखता है। हमारे हर विचार और भाव के पीछे मां

द्वारा रोपित किए गए संस्कार के बीज हैं। मातृ दिवस को मनाना आवश्यक है। समाजसेवा सुदर्शना को अभी तक कई नेशनल व राज्य, जिला स्तरीय अवार्ड से भी नवाजा गया है। सुदर्शना की सरकार से मांग है कि हमें थोड़ी सी भूमि और बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं मिल जाएं इसके अलावा हमें कुछ नहीं चाहिए।

सैकड़ों बेटियों का मायका

सीमा सांख्यान का घर

बेटी बनकर शुरू की बिटिया फाउंडेशन, मिला मां का दर्जा, गरीब बेटियों की शादी करवाने से लेकर उनके मायके की मां बनकर निभाती हैं सारी रस्में



प्रदेश और पड़ोसी राज्यों की सरकारों से मिले सम्मान

हिमाचल प्रदेश में फाउंडेशन से जुड़े चुके हैं 5 हजार से अधिक लोग

बिटिया फाउंडेशन को जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से वुमन अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसी के साथ दिल्ली, हरियाणा, पंजाब व हिमाचल सरकारों ने भी कई बार सम्मानित किया है। बिटिया फाउंडेशन के आंकड़ों की बात करें तो हिमाचल प्रदेश में अब तक उनके साथ पांच हजार से अधिक लोग वर्तमान में कार्य कर रहे हैं। वहीं, अभी तक संस्था की ओर से दो हजार से अधिक शादियां भी करवाई जा चुकी हैं। सीमा सांख्यान ने बताया कि उनकी संस्था के साथ न केवल लोग, बल्कि पुलिस अधिकारी, वकील, पत्रकार, प्रशासनिक अधिकारी तक जुड़े हुए हैं और इन सभी और आम जनता के सहयोग से यह संस्था कार्यरत है।

2015 में शुरू की बिटिया फाउंडेशन

सीमा सांख्यान की बात करें तो उन्होंने 2015 में बिटिया फाउंडेशन के नाम से एक संस्था शुरू की। इस संस्था ने महिला उत्पीड़न मामलों से लेकर गरीब व अनाथ लड़कियों की शादी तक करवाने का जिम्मा संभाल लिया। अब तक सीमा सांख्यान प्रदेश व अन्य राज्यों में लगभग दो हजार से अधिक गरीब व अनाथ बेटियों की शादियां करवा चुकी हैं। यह सफर यहीं खत्म नहीं होता है। शादी के बाद अनाथ बेटियों को अपने घर में मायके का दर्जा भी दे दिया, जिसके बाद आज सीमा सांख्यान के घर प्रत्येक दिन कोई न कोई लड़की अपने सुसराल से अपने मायके सीमा सांख्यान के पास पहुंची है। सीमा सांख्यान केवल मां के दर्जे तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि कहीं दादी तो कहीं नानी का भी पूरा फर्ज अदा करती हैं।



शुभम राही, बिलासपुर

लेखिका पुष्पप्रिया मनकोटिया ने साझा की मन की बात

जब बात आती है मां के प्यार की, तो हम अक्सर उसकी अमिट ममता और देखभाल की कथाओं में डूब जाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि मां के प्यार का एक और रूप क्या हो सकता है। जो हां, जब बात कर रहे हैं उस अनदेखे संवाद की, जिसमें मां हर कदम पर अपनी बेटी के साथ होती है। लेखिका पुष्पप्रिया मनकोटिया का कहना है कि यह सच है कि एक मां का संवाद उसकी बेटी के साथ हर समय नहीं होता है, लेकिन जब वह होता है, तो वह एक अद्वितीय अनुभव होता है। यह अनदेखा संवाद अधिकतर लोगों

बेटी के हर कदम पर मां का साथ

की नजरों से छिपा रहता है, लेकिन जब हम उसे ध्यान से देखते हैं, तो हमें पता चलता है कि मां किस प्रकार अपनी बेटी के संग अपने सफर की हर कड़ी पर होती है। जब बेटी पहली बार अपने कदम रखती है, मां की नजर उसके साथ होती है, प्रेरणा देती है और उसे साथ चलने का साहस देती है। जब वह अपने जीवन के महत्वपूर्ण

फैसलों का सामना करती है, तो मां की सलाह और मार्गदर्शन उसके साथ होते हैं। जब वह सफलता की ऊंचाइयों को छूती है, तो मां की खुशी और गर्व उसके साथ होते हैं। इस अनदेखे संवाद में, हमें एक अन्य दृष्टिकोण मिलता है, जो हमें सिखाता है कि मां के प्यार का असली

मतलब होता है सच्ची साझेदारी, विश्वास और समर्थन। इस दिन, हम सभी को यह विचार करने का मौका मिलना चाहिए कि क्या हम अपनी मां के साथ अपने सफर की हर कदम पर वास्तव में हैं, और क्या हम उनके संग उनकी साथी हैं। अपनी मां के संग होना, वास्तव में एक अनमोल और अद्वितीय अनुभव है, जिसे हम सभी निरंतर महसूस कर सकते हैं। मां आपकी हमेशा मदद और समर्थन से मुझे हर मुश्किल का सामना करने की शक्ति मिलती है आप जैसी मां को पाकर मुझे आप पर गर्व है।

अश्विष कुमार, ऊना

बेटी के सपने को पूरा करने के लिए मजदूर बच्चों में जगाई शिक्षा की अलख

मैक्सिको में गैंगवार में गोली लगाने से हुई थी निर्मला रेयात की 31 वर्षीय इंजीनियर बेटी अंजलि की मौत

मैक्सिको में वर्ष 2021 में दो गुटों में गैंगवार के दौरान सोलन की हाउसिंग कॉलोनी निवासी 31 वर्षीय इंजीनियर अंजलि रेयात की गोली लगने से मौत हो गई थी। अंजलि गरीब व जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्कूल खोलना चाहती थी। इस दुखद हादसे के बाद अंजलि के विजन को जिंदा रखने के लिए उनकी माता निर्मला रेयात और पिता डॉ. के.डी रेयात ने अपने दामाद उत्कर्ष श्रीवास्तव के साथ मिलकर अंजलि चैरिटेबल ट्रस्ट बनाकर 'सहारा शिक्षा केंद्र' के सहयोग से गरीब और सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने का कार्य शुरू किया। निर्मला रेयात ने बेटी की यादों को संजोने और उसके सपनों को साकार करने के लिए हाउसिंग कॉलोनी स्थित अपने मकान में एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण कर आर्थिक रूप से कमजोर और दिहाड़ी- मजदूर करने वाले प्रवासियों के बच्चों को शिक्षित करने की ठानी।

आर मोहन चौहान, सोलन



निर्मला रेयात अपनी स्व. बेटी अंजलि के साथ।



'सहारा शिक्षा केंद्र' में पढ़ रहे बच्चों के साथ निर्मला रेयात व अन्य।

दो बच्चों से शुरू की पढ़ाई 50 तक पहुंची

यह निर्मला का ही मनोबल था कि दो बच्चों से पढ़ाई शुरू कर संस्था से अब तक 50 बच्चे जुड़ चुके हैं। इन बच्चों को प्रशिक्षित शिक्षक ही पढ़ाते हैं। पढ़ाई तो अलग बात है, बच्चों को एक वक्त का पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। जिसका पूरा जिम्मा निर्मला पर ही है। निर्मला के परामर्श से 'सहारा शिक्षा केंद्र' की एडमिन प्रीति ठाकुर सहित शिक्षिका श्वेता, कल्पना, देवप्रिया, भावना, रोमा और कंचन गरीब बच्चों को खासकर बेटियों को शिक्षित कर अंजलि चैरिटेबल ट्रस्ट के विजन को मूर्त रूप दे रही हैं। हालांकि ट्रस्ट के फाउंडर चेयरमैन और अंजलि के पति उत्कर्ष सहित पिता डॉ. के.डी रेयात और भाई आशीष रेयात भी बच्चों को शिक्षित करने में अपना योगदान दे रहे हैं।

गरीब बच्चों को शिक्षित कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना लक्ष्य : निर्मला

निर्मला रेयात बताती हैं कि बेटी अंजलि गरीब बच्चों को शिक्षित कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना चाहती थी। उसका सपना पूरा करने के लिए अंजलि चैरिटेबल ट्रस्ट बनाया गया है। वर्तमान में करीब 50 ऐसे बच्चे जिनके मां-बाप या तो मजदूर करते हैं या फिर आर्थिक रूप से कमजोर हैं, को शिक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए प्रशिक्षित अध्यापकों की सेवाएं ली जा रही हैं। बच्चों को मुफ्त शिक्षा के साथ एक वक्त का पौष्टिक आहार भी दिया जाता है। ट्रस्ट बच्चों को त्योहारों के महत्व के प्रति भी शिक्षित करता है।

सरोकार 'पहचान' संस्था की संस्थापक चेतना शर्मा दस साल से विशेष बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा करने का कर रहीं काम

मां के संघर्ष ने बनाया बेटे का भविष्य

मां अपने बच्चों का भविष्य संवारने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए इतना संघर्ष कर सकती है जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। ऐसा ही हमीरपुर में 'पहचान' संस्था की संस्थापक चेतना शर्मा ने कर दिखाया है। वर्ष 2014 में उनके बेटे को पीलिया की वजह से कई प्रकार के शारीरिक व मानसिक विकार हो गए थे और वह दूसरे बच्चों से अलग दिखता था। चेतना ने अपने बेटे को ठीक करने का प्रण लिया और इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए। दस वर्ष पहले अपने बेटे के भविष्य के लिए संघर्ष शुरू किया और इसका परिणाम भी मिला। उन्होंने हैदराबाद के एक डॉक्टर हरिकांत जो फिजियोथैरेपिस्ट हैं से संपर्क किया और उनकी बताई हुई थैरेपी से बेटे के विकार को दूर करने में सफलता हासिल की। इसके बाद उन्होंने दूसरे विशेष बच्चों को भी ठीक करने का प्रण लिया और 'पहचान' नाम की संस्था बना डाली। आज उनका बेटा जमा दो कक्षा की पढ़ाई कर कंप्यूटर कोर्स भी कर चुका है, जो मां के

संघर्ष से ही संभव हो सका है। उन्होंने अपने बेटे और एक अन्य बच्चे से यह संस्था शुरू की। आज इस संस्था में 57 बच्चे शिक्षा के साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेकर नेशनल स्तर पर अपनी प्रतिभा के दम पर गोल्ड मेडल भी हासिल कर रहे हैं। चेतना का एक ही उद्देश्य था कि विशेष बच्चे अपने पैरों पर खड़ा हो सकें और बिना परेशानी के बेहतर जीवन व्यतीत करें। संस्था को चलाने में आर्थिक परेशानियां भी आईं, लेकिन सब बाधाओं को दूर कर उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल कर मिसाल कायम की। अब इस संस्था में बच्चों को थैरेपी से ठीक कर उनका मानसिक और शारीरिक विकास हो रहा है जिससे उनके अभिभावक भी अपने बच्चे को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए सहयोग कर रहे हैं। हालांकि इस संस्था को चलाने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से कोई मदद नहीं मिली। अभिभावकों के आर्थिक सहयोग से ही बच्चों का विकास किया जा रहा है। चेतना

को इस संस्था को चलाने के लिए कई संघर्षों से गुजरना पड़ा। इसका परिणाम यह रहा कि आज इनके साथ छह टीचर हैं, जो 57 बच्चों को पढ़ाने के साथ थैरेपी

में सहयोग कर रहे हैं। इस संस्था के कई बच्चे ठीक होकर नॉर्मल स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं।

अनिल कुमार, हमीरपुर

पति की मौत के बाद निभाया पिता का फर्ज

मटौर की ऊषा कपूर बनीं बच्चों का सहारा

जीवन में मां का क्या महत्व है यह हर एक इंसान जानता है, लेकिन कुछ माताएं ऐसी भी होती हैं, जो पिता का फर्ज भी बखूबी निभाती हैं। ऐसी ही एक मां हैं। कांगड़ा के मटौर की ऊषा कपूर। उनकी एक बेटी रीटा कपूर जो एक अध्यापिका हैं ने बताया कि मां शब्द का अर्थ है जननी अर्थात् जन्म देने वाली प्रेम और वास्तव्य का दूसरा रूप। वो कहती हैं कि उनके मुताबिक संसार में मां के अलावा कोई भी सच्चा प्यार नहीं कर सकता। एक मां के रूप के साथ मां एक अच्छी दोस्त भी होती है। ऊषा कपूर ने पति की मौत के बाद पेंशन के सहारे तीन भाई-बहनों को पढ़ा-लिखाकर अच्छी शिक्षा दी।



सबसे अच्छी दोस्त थी हैं। वह बताती हैं कि जब भी हम किसी उलझन में होते हैं तो वह हममें विश्वास और नई ऊर्जा भर देती हैं तथा यही उनकी हर सफलता का आधार स्तंभ भी है। वह बताती हैं कि मां ने हमें सामाजिक व्यवहार से लेकर ईमानदारी तथा मेहनत जैसी महत्वपूर्ण शिक्षा भी दी। उन्होंने कहा कि मां के बिना जीवन की कल्पना करना भी कठिन है।

आशीष दमीर, कांगड़ा

